भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3398
दिनांक 07 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

बच्चों में बौनापन, वृद्धिरोध और एनीमिया

3398. श्रीमती अपराजिता सारंगीः

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने बच्चों के बौनेपन, वृद्धिरोध और एनीमिया को कम करने में सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण-2.0 की प्रगति का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) ओडिशा सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान कुपोषित के रूप में पहचाने गए और उपचार पाने वाले बच्चों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(ग) अधिक मामले वाले जिलों के लिए प्रस्तावित सुधारात्मक उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ग): नीति आयोग के विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) द्वारा 2025 में 12 राज्यों और एक संघ राज्यक्षेत्र में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 का परिणाम-आधारित मूल्यांकन अध्ययन किया गया था। संस्थागत आकलनों और परिवार सर्वेक्षणों से प्राप्त साक्ष्यों से पता चलता है कि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) अपने वर्तमान स्वरूप में कुपोषण से समग्र रूप से निपटने और बाल विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार का नवीनतम प्रयास है, जो तालमेल और सुदृढ़ दृष्टिकोण के साथ पिछले कार्यक्रमों पर आधारित है। साथ ही, मिशन

पोषण 2.0 के पूर्ववर्ती कार्यक्रम, पोषण अभियान का एक तृतीय-पक्ष मूल्यांकन और प्रभाव आकलन 2020 में नीति आयोग द्वारा किया गया था। इसमें देश में कुपोषण से निपटने के लिए पोषण अभियान की प्रासंगिकता संतोषजनक पाई गई।

मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) में पंजीकृत लाभार्थियों की निरंतर निगरानी के लिए आईसीटी-आधारित उपकरण के रूप में पोषण ट्रैकर शुरू किया है। यह एप्लिकेशन बच्चों में कुपोषण के संकेतकों जैसे बौनापन (स्टंटिंग), ठिगनापन (वेस्टिंग) और कम वजन की व्याप्तता की निरंतर पहचान और निगरानी को सुगम बनाता है। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में पोषण संकेतकों से संबंधित राज्यवार और वर्षवार जानकारी पोषण ट्रैकर के सार्वजनिक डैशबोर्ड के लिंक https://www.poshantracker.in/statistics. पर उपलब्ध है।

ओडिशा सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, डिस्चार्ज किए गए एसएमए बच्चों में स्वस्थ होने की दर 2023 में 54% से बढ़कर 2024 में 79% और 2025 में 82% हो गई। 5 अगस्त 2026 तक, स्वस्थ होने की कुल दर और बढ़कर 83% हो गई, जिसमें डिस्चार्ज किए गए 1,22,789 बच्चों में से 1,01,469 के स्वस्थ होने की सूचना दी गई, जो पूर्ण आहार के तहत उपचार परिणामों में निरंतर सुधार दर्शाता है।

ओडिशा ने पोषण-विशिष्ट और पोषण-संवेदनशील पहलों की एक निरंतर श्रृंखला अपनाई है, जिसमें जोखिम वाले बच्चों की गहन पहचान, उपचार और अनुवर्ती कार्रवाई शामिल है। निम्नलिखित उपायों को अधिक मामले वाले जिलों में प्राथमिकता दी जाती है:

- प्रारंभिक पहचान और सक्रिय मामले की ट्रैकिंग: एडब्ल्यूसी पर नियमित वृद्धि निगरानी को सुदृढ़ करें और ओजन उत्सव जैसे केंद्रित अभियान चलाएँ। लाभार्थी पंजीकरण, पोर्टेबिलिटी, निगरानी और समय पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए पोषण ट्रैकर का उपयोग करना।
- पूर्ण आहार के माध्यम से गहन उपचार: 112 दिनों (16 सप्ताह) तक एसएमए बच्चों के लिए अतिरिक्त ऊर्जा और पोषक तत्वों से भरपूर टेक-होम राशन और एक अंडे की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रत्येक पखवाड़े परामर्श और वृद्धि निगरानी करना। प्रत्येक गैर-प्रतिक्रियाशील मामले की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करना।

- नैदानिक रेफरल और प्रोटोकॉल-आधारित देखभाल: चिकित्सीय जटिलताओं वाले बच्चों को विशेष प्रबंधन के लिए एनआरसी या स्वास्थ्य सुविधाओं में रेफर करना। अनुमोदित प्रोटोकॉल के अनुसार दवाओं, कृमिनाशक उपचार और अन्य उपचार की व्यवस्था तथा डिस्चार्ज के बाद अनुवर्ती देखभाल।
- एमएएम और एसयूडब्ल्यू बच्चों के लिए उन्नत पोषण सहायता: एसएनपी और एमएसपीवाई के अंतर्गत आयु-विशिष्ट अतिरिक्त सहायता का प्रावधान, जिसमें छतुआ, प्रीमिक्स, अंडे, केले या मौसमी फल, और पका हुआ गर्म भोजन शामिल हैं ताकि आहार संबंधी तीव्र और दीर्घकालिक कमियों को दूर किया जा सके।
- दुर्गम बस्तियों में अंतिम-लाभार्थी तक कवरेज: दूरस्थ टोले और टैग किए गए गाँवों में स्पॉट फीडिंग का विकेंद्रीकरण करके पाडा पुष्टि कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन का विस्तार, जिसमें प्रीस्कूल बच्चों के लिए सुबह के नाश्ते और पका हुआ गर्म भोजन शामिल है।
- पारिवारिक परामर्श और व्यवहार परिवर्तन: स्तनपान, उपयुक्त पूरक आहार, आहार विविधता, स्वच्छता और समय पर देखभाल को बढ़ावा देने के लिए गृह दौरे, व्यंजन प्रदर्शन, सामुदायिक कार्यक्रम, पोषण माह और पोषण पखवाड़े का उपयोग करना।
- पोषण अभिभावक: वरिष्ठ जिला-स्तरीय अधिकारियों को अधिक मामले वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी करने, कार्यान्वयन में कमियों की पहचान करने और समय पर सुधारात्मक कार्रवाई को सुगम बनाने के लिए पोषण अभिभावक के रूप में नियुक्त किया जाता है।
- जिला नोडल अधिकारी द्वारा निगरानी: विभाग ने प्रत्येक जिले के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है, जो नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं और क्षेत्र में पोषण संबंधी पहल की निगरानी कर रहे हैं।
- तकनीकी की सहायता से टीएचआर की गुणवत्ता सुनिश्चित करना: विभाग विभिन्न टीएचआर उत्पादक इकाइयों में स्थापित कंप्यूटर विज़न कैमरों का उपयोग करके टीएचआर की गुणवत्ता सुनिश्चित कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण टीएचआर यह सुनिश्चित करता है कि पर्याप्त पोषण संबंधी अधिकार का लाभ लाभार्थियों तक पहुँचें।
- टी2टी2 (टार्गेट-2 ट्रांसफॉर्म-2): टी2टी2 ओडिशा सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की एक पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में आंगनवाड़ी केंद्रों की समग्र कार्यप्रणाली और सेवा प्रदायगी में सुधार करना है। इस पहल के अंतर्गत, प्रत्येक आईसीडीसी परियोजना में प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर सबसे कम प्रदर्शन करने वाले दो आंगनवाड़ी केंद्रों की पहचान की जाती है। इन केंद्रों को

प्रचालन संबंधी कमियों को दूर करने, महत्वपूर्ण मानकों पर प्रदर्शन में सुधार करने और लाभार्थियों तक सेवाओं की प्रभावी प्रदायगी सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित मार्गदर्शन, नियमित निगरानी और आवश्यकता-आधारित सहायता प्रदान की जाती है।

- तालमेल और जवाबदेही: आंगनवाड़ी केंद्र की सेवाओं का स्वास्थ्य जांच, वीएचएसएंडडी, आईएफए अनुपूरण, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा के साथ तालमेल स्थापित करना। नामांकन, उपचार पूरा होने की स्थिति, रिकवरी, गैर-प्रतिक्रिया, रैफरल और स्टॉक की निरंतरता को शामिल करते हुए ब्लॉक एवं जिला डैशबोर्ड के माध्यम से अधिक मामले वाले क्षेत्रों की नियमित रूप से समीक्षा करना।

*****